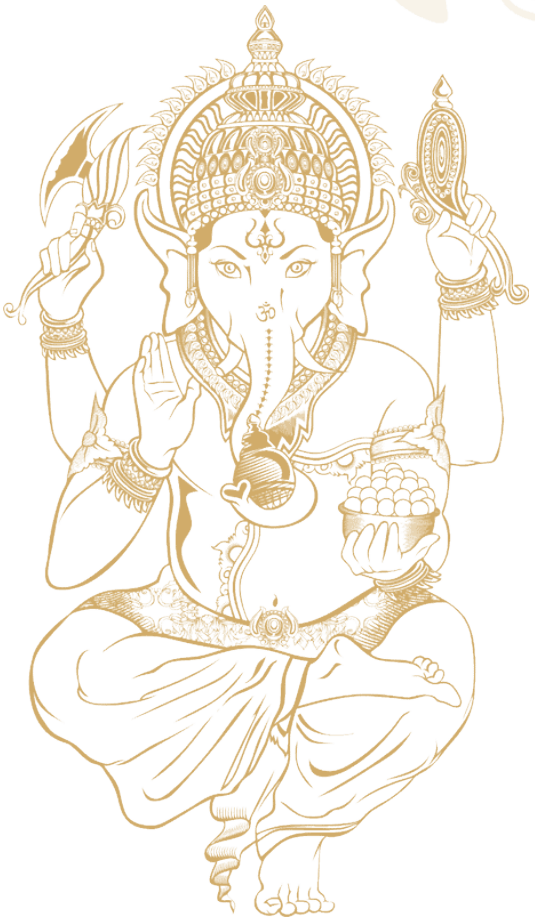

Vinod

01 Mar 1980

12:39 PM

Bilgram

Model: web-freekundliweb

Order No: 121614704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/03/1980**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:39:00 घंटे**
इष्ट	15:11:49 घटी
स्थान	**Bilgram**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:10:00 उत्तर
रेखांश	80:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:29:12 घंटे
वेलान्तर	-00:12:23 घंटे
साम्पातिक काल	23:06:11 घंटे
सूर्योदय	06:34:16 घंटे
सूर्यास्त	18:10:24 घंटे
दिनमान	11:36:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:17:00 कुम्भ
लग्न के अंश	05:52:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सुकर्मा
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	05:52:17	331:45:15	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	17:17:00	01:00:11	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	11:00:58	11:53:09	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल	व		सिंह	10:12:16	00:23:19	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध	व	अ	कुंभ	26:31:15	00:38:15	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	10:59:05	00:07:48	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मेष	00:10:55	01:08:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
शनि	व		कन्या	01:04:07	00:04:32	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु	व		सिंह	05:45:31	00:00:16	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	05:45:31	00:00:16	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	01:59:30	00:00:03	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
नेप			वृश्चि	28:56:41	00:00:47	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो	व		कन्या	27:49:22	00:01:10	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	21:48:09	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:34:40

लग्न-चलित

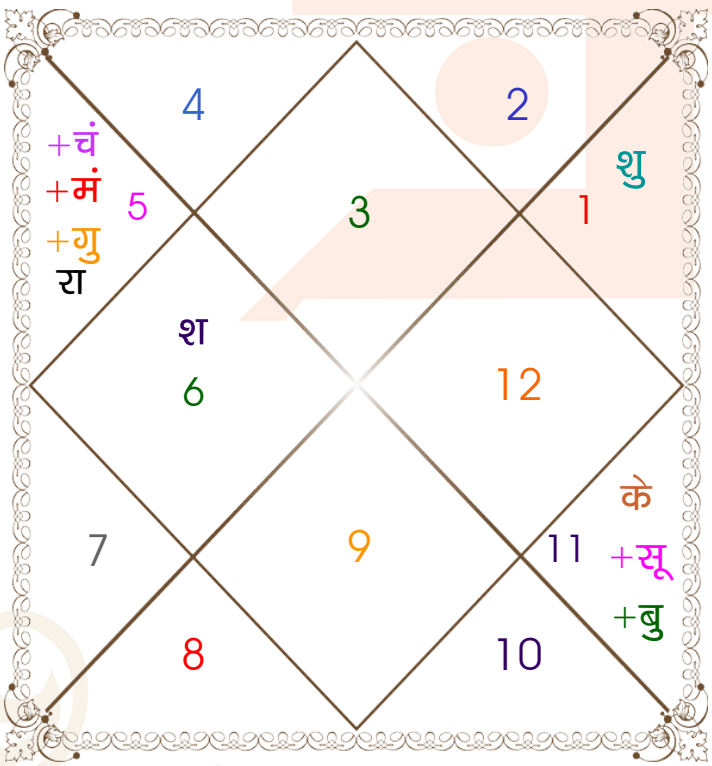

चन्द्र कुंडली

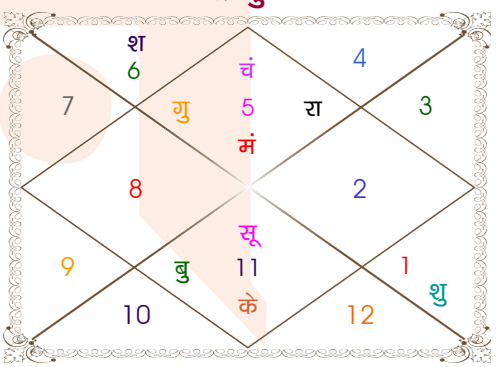

नवमांश कुंडली

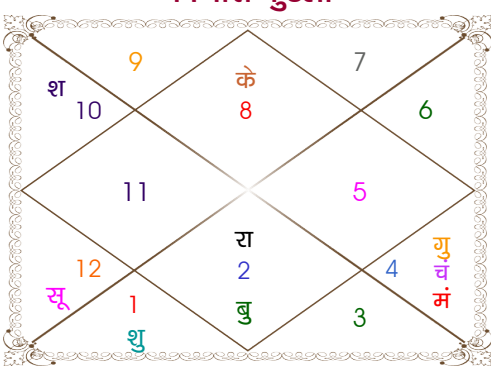

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 2 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/03/1980		19/05/1981		19/05/2001		20/05/2007		19/05/2017	
19/05/1981		19/05/2001		20/05/2007		19/05/2017		19/05/2024	
	00/00/0000	शुक्र	18/09/1984	सूर्य	06/09/2001	चंद्र	19/03/2008	मंगल	15/10/2017
	00/00/0000	सूर्य	18/09/1985	चंद्र	08/03/2002	मंगल	18/10/2008	राहु	03/11/2018
	00/00/0000	चंद्र	20/05/1987	मंगल	13/07/2002	राहु	19/04/2010	गुरु	10/10/2019
	00/00/0000	मंगल	19/07/1988	राहु	07/06/2003	गुरु	19/08/2011	शनि	18/11/2020
	00/00/0000	राहु	20/07/1991	गुरु	25/03/2004	शनि	19/03/2013	बुध	15/11/2021
	00/00/0000	गुरु	20/03/1994	शनि	07/03/2005	बुध	19/08/2014	केतु	13/04/2022
	01/03/1980	शनि	19/05/1997	बुध	12/01/2006	केतु	20/03/2015	शुक्र	13/06/2023
शनि	22/05/1980	बुध	19/03/2000	केतु	20/05/2006	शुक्र	18/11/2016	सूर्य	19/10/2023
बुध	19/05/1981	केतु	19/05/2001	शुक्र	20/05/2007	सूर्य	19/05/2017	चंद्र	19/05/2024

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/05/2024		20/05/2042		20/05/2058		19/05/2077		20/05/2094	
20/05/2042		20/05/2058		19/05/2077		20/05/2094		00/00/0000	
राहु	30/01/2027	गुरु	07/07/2044	शनि	22/05/2061	बुध	16/10/2079	केतु	16/10/2094
गुरु	25/06/2029	शनि	18/01/2047	बुध	31/01/2064	केतु	12/10/2080	शुक्र	16/12/2095
शनि	01/05/2032	बुध	25/04/2049	केतु	10/03/2065	शुक्र	13/08/2083	सूर्य	22/04/2096
बुध	18/11/2034	केतु	01/04/2050	शुक्र	10/05/2068	सूर्य	19/06/2084	चंद्र	21/11/2096
केतु	07/12/2035	शुक्र	30/11/2052	सूर्य	22/04/2069	चंद्र	18/11/2085	मंगल	19/04/2097
शुक्र	06/12/2038	सूर्य	18/09/2053	चंद्र	21/11/2070	मंगल	15/11/2086	राहु	07/05/2098
सूर्य	31/10/2039	चंद्र	18/01/2055	मंगल	31/12/2071	राहु	04/06/2089	गुरु	13/04/2099
चंद्र	01/05/2041	मंगल	25/12/2055	राहु	06/11/2074	गुरु	09/09/2091	शनि	02/03/2100
मंगल	20/05/2042	राहु	20/05/2058	गुरु	19/05/2077	शनि	20/05/2094		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 2 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।